उषा मेहता और कॉन्ग्रेस रेडियो की कहानी

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

स्वतंत्रता सेनानी **उषा मेहता** के जीवन पर आधारित हाल ही में रिलीज़ होने वाली एक फिल्म, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उनके ऐतिहासिक योगदान और बलिदान के महत्त्व को पुनः रेखांकित करती है।

भारत छोड़ो आंदोलन (QIM) में उषा मेहता की क्या भूमिका थी?

- **भारत छोड़ो आंदोलन का परिचय:**
  - **यह आंदोलन 8 अगस्त, 1942** को शुरू हुआ, जो महात्मा गांधी के **करो या मरो** के प्रतिष्ठित नारे के साथ चिह्नित है। भारत छोड़ो आंदोलन बड़े पैमाने पर **सविनय अवज्ञा, राष्ट्रव्यापी विरोध और समानांतर शासन संरचनाओं की स्थापना का प्रतीक है।**
  - ब्रिटिश अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियों का जवाब दिया, गांधी, नेहरू और पटेल सहित **प्रमुख नेताओं को हिरासत** में लिया, जिससे आंदोलन की तीव्रता काफी कम हो गई।
- **उषा मेहता का परिचय:**
  - उषा मेहता, जो उस समय **22 वर्षीय कानून की छात्रा** थीं, गांधी की विचारधारा से प्रभावित हुईं, जिससे उन्हें अपनी पढ़ाई छोड़कर आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिये प्रेरित किया गया।
  - **सूचना के प्रचार-प्रसार की प्रभावकारिता को पहचानते हुए,** मेहता ने **संचार के एक गुप्त साधन के रूप में कॉन्ग्रेस रेडियो** की धारणा की कल्पना की।
- **कॉन्ग्रेस रेडियो की स्थापना:**
  - **फंडिंग और तकनीकी विशेषज्ञता की चुनौतियों** का सामना करते हुए, उषा मेहता ने **नरीमन प्रिंटर (नरीमान अबराबाद प्रिंटर भारत के शौकिया रेडियो आपरेटर) जैसे सहयोगियों** के साथ मिलकर कॉन्ग्रेस रेडियो स्थापित करने का प्रयास किया।
  - ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा लगाए गए नियामक प्रतिबंधों के बावजूद, प्रिंटर की निपुणता ने एक कार्यात्मक **ट्राँसमीटर के निर्माण की सुविधा प्रदान** की, जिसके परिणामस्वरूप **3 सितंबर, 1942 को कॉन्ग्रेस रेडियो का उद्घाटन प्रसारण संभव हो सका।**
- **प्रसारण के माध्यम से स्वतंत्रता को उत्प्रेरित करना:**
  - औपनिवेशिक सेंसरशिप को दरकिनार करते हुए और आंदोलन की प्रगति के संबंध में महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रसारित करते हुए, **कॉन्ग्रेस रेडियो तेज़ी से भारतीयों के लिये समाचार का एक प्रमुख स्रोत बनकर उभरा।**
  - **समाचार प्रसारण से परे, स्टेशन ने राजनीतिक भाषण और वैचारिक संदेश प्रसारित किये** , जिससे स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिये लोगों के समर्पण को मज़बूती मिली।
- **कानूनी परिणाम और मेहता की विरासत:**
  - कॉन्ग्रेस रेडियो के गुप्त संचालन ने अंततः **ब्रिटिश अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया, जिसके कारण मेहता और उनके सहयोगियों की गिरफ्तारी हुई** तथा बाद में उन पर मुकदमा भी चलाया गया।
  - अपने अग्रणी प्रयासों के लिये **"रेडियो-बेन"** के रूप में प्रतिष्ठित **मेहता ने स्वतंत्रता के बाद भी गांधीवादी सिद्धांतों का पालन करना जारी रखा** और वर्ष **1998 में** पद्म विभूषण सहित राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की।

//

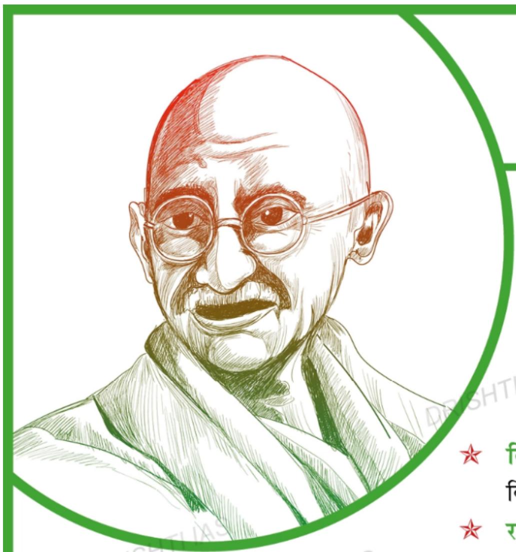

मोहनदास करमचंद गांधी

संक्षिप्त परिचय

- **जन्म:** **2** अक्तूबर, **1869**; पोरबंदर (गुजरात).
  - **2** अक्तूबर को **अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस** के रूप में मनाया जाता है।
- **प्रोफाइल:** वकील, राजनीतिज्ञ, सामाजिक कार्यकर्त्ता, लेखक तथा राष्ट्रवादी आंदोलनों के नेतृत्वकर्त्ता।
  - राष्ट्रपिता (सबसे पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने इस नाम से संबोधित किया)।
- **विचारधारा:** अहिंसा, सत्य, ईमानदारी, प्रकृति की देखभाल, करुणा, दलितों के कल्याण आदि के विचारों में विश्वास करते थे।
- **राजनीतिक गुरु:** गोपाल कृष्ण गोखले

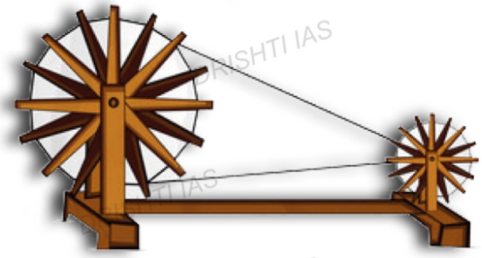

- **मृत्यु:** नाथूराम गोडसे द्वारा गोली मारकर हत्या (**30 जनवरी**, **1948**)।
  - **30** जनवरी को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- नोबेल शांति पुरस्कार के लिये पाँच बार नामित किया गया।

दक्षिण अफ्रीका में गांधी (1893–1915)

- नस्लवादी शासन (मूल अफ्रीकी और भारतीयों के साथ भेदभाव) के खिलाफ सत्याग्रह।
  - दक्षिण अफ्रीका से उनकी वापसी के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष **9** जनवरी को **प्रवासी भारतीय दिवस (PBD)** मनाया जाता है।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

- छोटे पैमाने के विभिन्न आंदोलन जैसे- चंपारण सत्याग्रह **(1917)**, प्रथम सविनय अवज्ञा, अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918)- पहली भूख हड़ताल और खेड़ा सत्याग्रह **(1918)**- पहला असहयोग।
- **राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन:** रॉलेट एक्ट के खिलाफ **(1919)**, असहयोग आंदोलन **(1920-22)**, सविनय अवज्ञा आंदोलन **(1930&34)**, भारत छोड़ो आंदोलन **(1942)**।
- **गांधी-इरविन समझौता (1931):** गांधी और लॉर्ड इरविन के बीच जिसने सविनय अवज्ञा की अवधि के अंत को चिह्नित किया।
- **पूना पैक्ट (1932):** गांधी और **बी.आर. अंबेडकर** के बीच; इसने वंचित वर्गों के लिये अलग निर्वाचक मंडल के विचार को छोड़ दिया (सांप्रदायिक पंचाट)।

पुस्तकें

हिंद स्वराज, माय एक्सपेरिमेंट विथ ट्रुथ (आत्मकथा)

साप्ताहिक पत्रिकाएँ

हरिजन, नवजीवन, यंग इंडिया, इंडियन ओपिनियन

गांधी शांति पुरस्कार

भारत द्वारा गांधीवादी तरीकों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन के लिये दिया जाता है।

उद्धरण

- **"खुशी तब मिलेगी जब आप जो सोचते हैं, जो कहते हैं और जो करते हैं, सामंजस्य में हों।"**
- **"कमजोर व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर सकता, क्षमा करना शक्तिशाली व्यक्ति का गुण है।"**
- **"आपको मानवता में विश्वास नहीं खोना चाहिये। मानवता सागर के समान है; यदि सागर की कुछ बूँदें गंदी हैं, तो पूरा सागर गंदा नहीं हो जाता।"**

और पढ़ें: भारत छोड़ो आंदोलन

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

□□□□□□□□□□□:

प्रश्न. भारतीय इतहिास में 8 अगस्त, 1942 के संदर्भ में नम्निलखिति कथनों में से कौन-सा सही है? (2021)

(a) भारत छोड़ो प्रस्ताव AICC द्वारा अपनाया गया था।

(b) अधिक भारतीयों को शामिल करने के लिये वायसराय की कार्यकारी परिषद का विस्तार किया गया।
(c) सात प्रांतों में कॉन्ग्रेस के मंत्रिमंडलों ने इस्तीफा दे दिया।
(d) द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने के बाद क्रिप्स ने पूर्ण डोमिनियन स्थिति के साथ एक भारतीय संघ का प्रस्ताव रखा।

उत्तर: (a)

प्रश्न. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के संदर्भ में निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिये: (2017)

1. रॉयल इंडियन नेवी में विद्रोह
2. भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत
3. द्वितीय गोलमेज सम्मेलन

उपरोक्त घटनाओं का सही कालानुक्रमिक क्रम क्या है?

(a) 1 – 2– 3
(b) 2 – 1 – 3
(c) 3 – 2 – 1
(d) 3 – 1 – 2

उत्तर : (c)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/story-of-usha-mehta-and-congress-radio